# उत्पत्ति १९

- अदोनाय का अर्थ “प्रभु” अथवा “स्वामी” होता है।
- पद १३-१४ में प्रयुक्त शब्द है:
  यूद - हे - वाव - हे
  (य-ह-व-ह / यहोवेह)
- पद १८ में लूत कहता है:
  “हे मेरे प्रभु, कृपया ऐसा न हो...”
- यहाँ वह परमेश्वर का उल्लेख नहीं कर रहा है।
- नए नियम (नवविधान) का आधे से अधिक भाग पुराने नियम (पुराने विधान) के उदधरणों से बना है।
  संख्याओं का हिंदी रूपांतरण

# लूत के दामाद सदोम छोड़ना नहीं चाहते थे

- उन्होंने स्वर्गदूतों की बात पर विश्वास नहीं किया।
- स्वर्गदूत परमेश्वर की ओर से भेजा गया एक दूत (संदेशवाहक) होता है।
- दामाद सदोम नगर के निवासी पुरुष थे।
- लूत की दो पुत्रियाँ निश्चित रूप से उसकी केवल २ ही सन्तानें नहीं थीं।
- जब तक कोई विशेष समस्या न हो, उस समय परिवार सामान्यतः बड़े हुआ करते थे।

# लूत ने शरण के लिए निकटवर्ती नगर में जाने का निवेदन किया

- मत्साह (अखमीरी रोटी) सदोम की घटना और मिस्र से निर्गमन के बीच एक संबंध स्थापित करती है।
- स्वर्गदूतों ने लूत से कहा कि वह पहाड़ी प्रदेश में भाग जाए; परन्तु उसने कहा, “नहीं,” और वह एक नगर में जाना चाहता था।
- लूत नगर के जीवन को अधिक पसंद करता था।
- वह चरवाहे के जीवन को पीछे छोड़ चुका था। यह भविष्य में आने वाले उत्तरी राज्य की एक
- छाया (पूर्वछाया) है, जो सरल और सहज मार्गों को खोजेगा।

# लूत एक दुर्बल मनुष्य था

- लूत बहुत कुछ “शारीरिक मसीही” के समान था।
- लूत ने अपना विश्वास त्यागा नहीं। तथापि, परमेश्वर ने लूत को
- बचाया।

  **सोआर** = छोटा नगर।
- पद २९: क्योंकि अब्राहम ने लूत के
- प्राणों के लिए विनती की, इस कारण परमेश्वर ने उसे बचा लिया।

# लूत का मन बदल गया

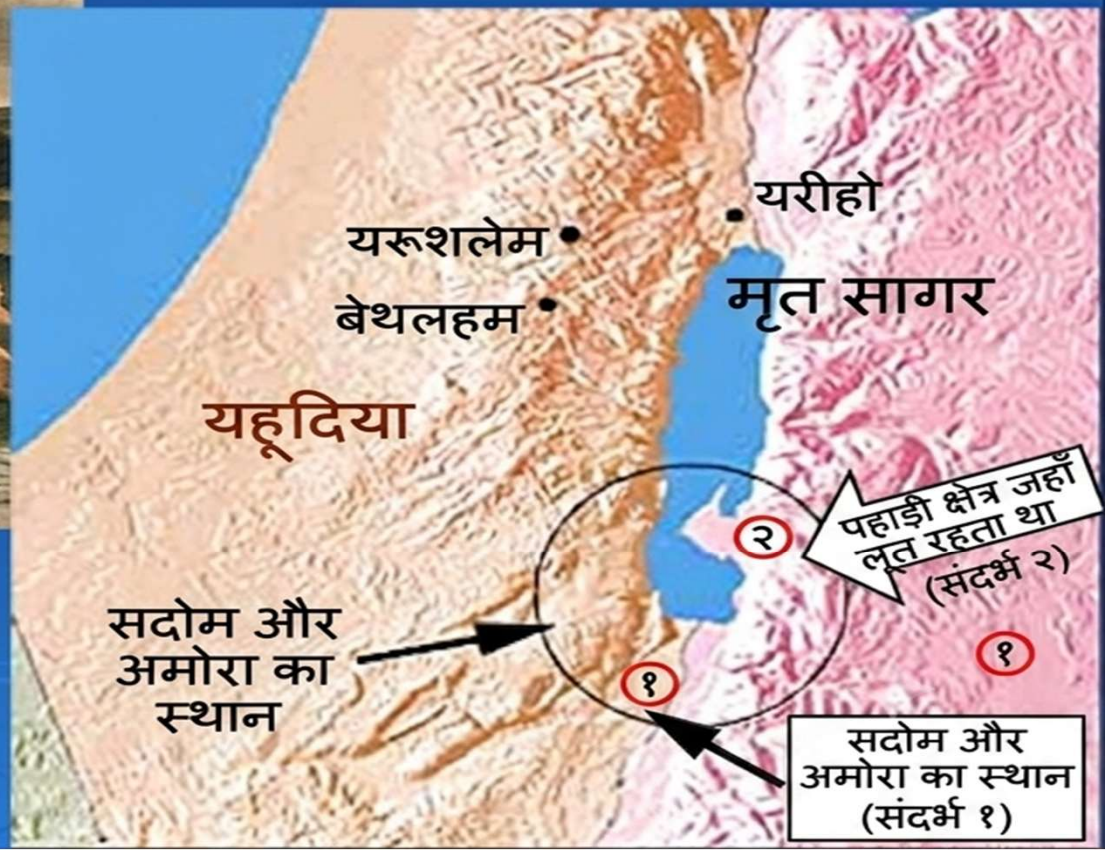
यरीहो
यरूशलेम
बेथलहम
मृत सागर
यहूदिया
पहाड़ी क्षेत्र जहाँ लूत रहता था (संदर्भ २)
२
१
१
सदोम और अमोरा का स्थान
सदोम और अमोरा का स्थान (संदर्भ १)

# सदोम का विनाश

- बाइबिल इस महाविनाश का केवल संक्षिप्त वर्णन देती है।
- हमें बताया गया है कि विनाश आकाश से आया था।
- गंधक = सल्फर ।
- जलती हुई गंधक का उपयोग नगर के कूड़े के ढेरों को नष्ट करने के लिए किया जाता था।
- आग बुराई को नष्ट करने और बहुमूल्य धातुओं को शुद्ध करने की प्रतीक है।
- बाइबिल का मुख्य उद्देश्य विनाश का **कारण** बताना है, न कि उसके विवरण देना।

- पद २६: नमक का खम्भा
- लूत की पत्नी को चेतावनी दी गई थी कि उसे **"पीछे मुड़कर न देखना चाहिए"**। यह इब्री मुहावरा है, जिसका अर्थ है **"देर करना" या "हिचकिचाना"**।
- लूत की पत्नी सदोम के समान ही विनाश का शिकार हुई।
- कथानक के शब्दों में सम्भवतः बाद में परिवर्तन किया गया है; प्राचीनतम
- परम्पराएँ "नमक के खम्भे" की बात का समर्थन नहीं करतीं।

- क्या अब्राहम को विश्वास था कि लूत बच गया है?
- अब्राहम की मोलभाव वाली वार्ता में लूत का नाम कहीं नहीं लिया गया।
- आशा यह थी कि लूत “धर्मी” बना रहा है।
- अब्राहम ने धर्मियों के बचाए जाने के लिए प्रार्थना की।

# मोआब और अम्मोन का जन्म

- लूत की दोनों पुत्रियाँ चिन्तित थीं कि वे स्त्रियों के रूप में अपना कर्तव्य पूरा नहीं कर पाएँगी।
- परिवार को विश्वास हो गया था कि संसार का अन्त हो चुका है (कोई अन्य मनुष्य जीवित नहीं बचा)।
- वे सोचते थे कि वे ही नये नूह हैं।
- लूत भय की गहराई में और अधिक उतरता गया।
- परमेश्वर इस प्रकार का भय नहीं लाता।

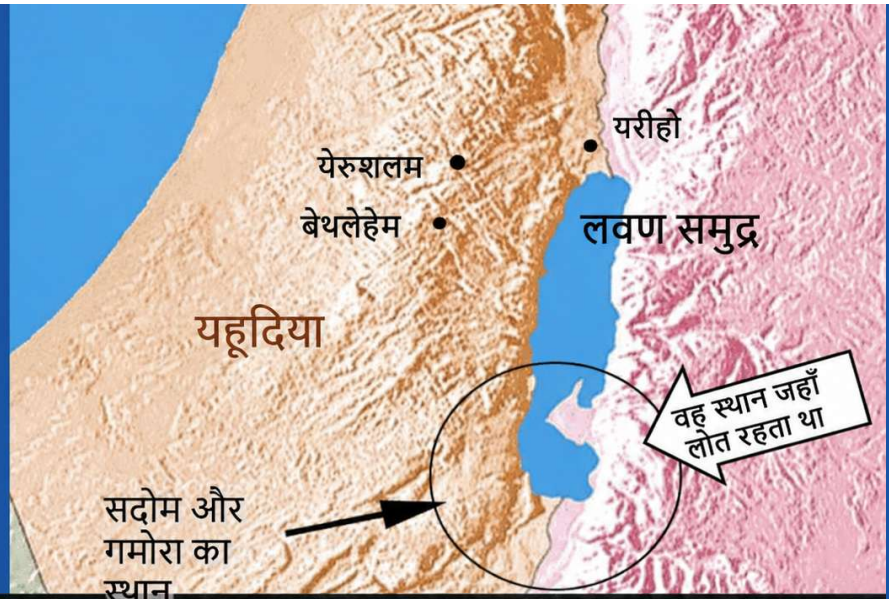

# लूत की दुखद समाधि-लेख

- पुत्रियों ने अपने पिता लूत के द्वारा संतान उत्पन्न की।
- इन संतानों के नाम मोआब और फिर अम्मोन हुए।
- मोआब और अम्मोन राष्ट्र इस्राएल के मिस्र से निकलने (निर्गमन) से बहुत पहले अस्तित्व में थे।
- अम्मान (जॉर्डन) अम्मोन का अरबी उच्चारण है, और यह उसी क्षेत्र में स्थित है।

# उत्पत्ति २०

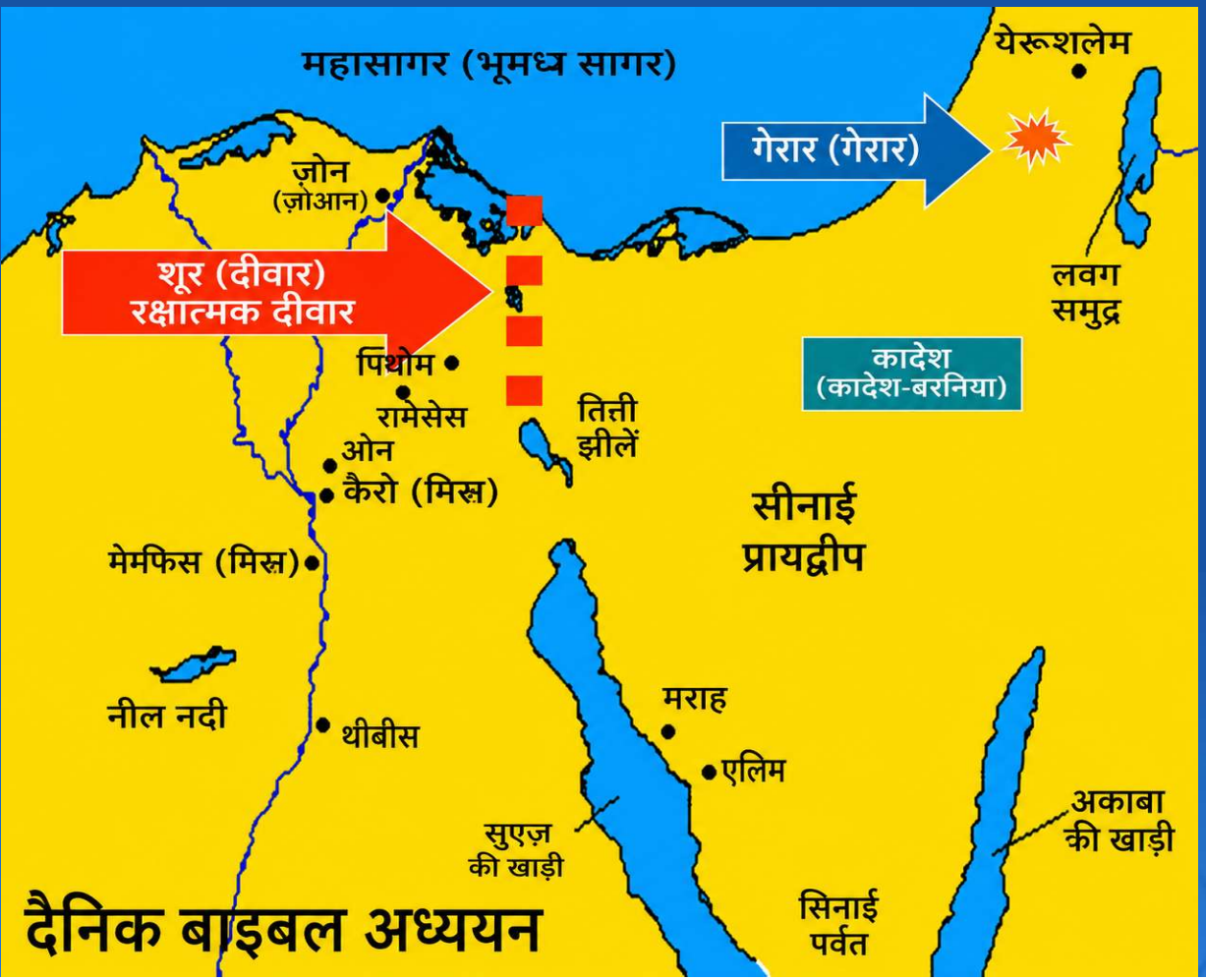


- अब्राहम हेब्रोन से अपनी यात्रा करता है।
- यह स्थानान्तरण नये चरागाह प्राप्त करने के लिए किया गया था।
- गेरार क्षेत्र, जो भविष्य में पलिश्तियों का देश बनेगा।
- गेरार का राजा अबीमेलेक।
- कादेश, जो कादेश-बर्ने के समान है।
- मिस्र देश में शूर।
- शूरा = शूर-अ का अर्थ है "दीवार"।